



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01092026-275904
CG-DL-E-01092026-275904

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4615]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 31, 2026/भाद्र 9, 1948

No. 4615]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 31, 2026/BHADRA 9, 1948

संस्कृति मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

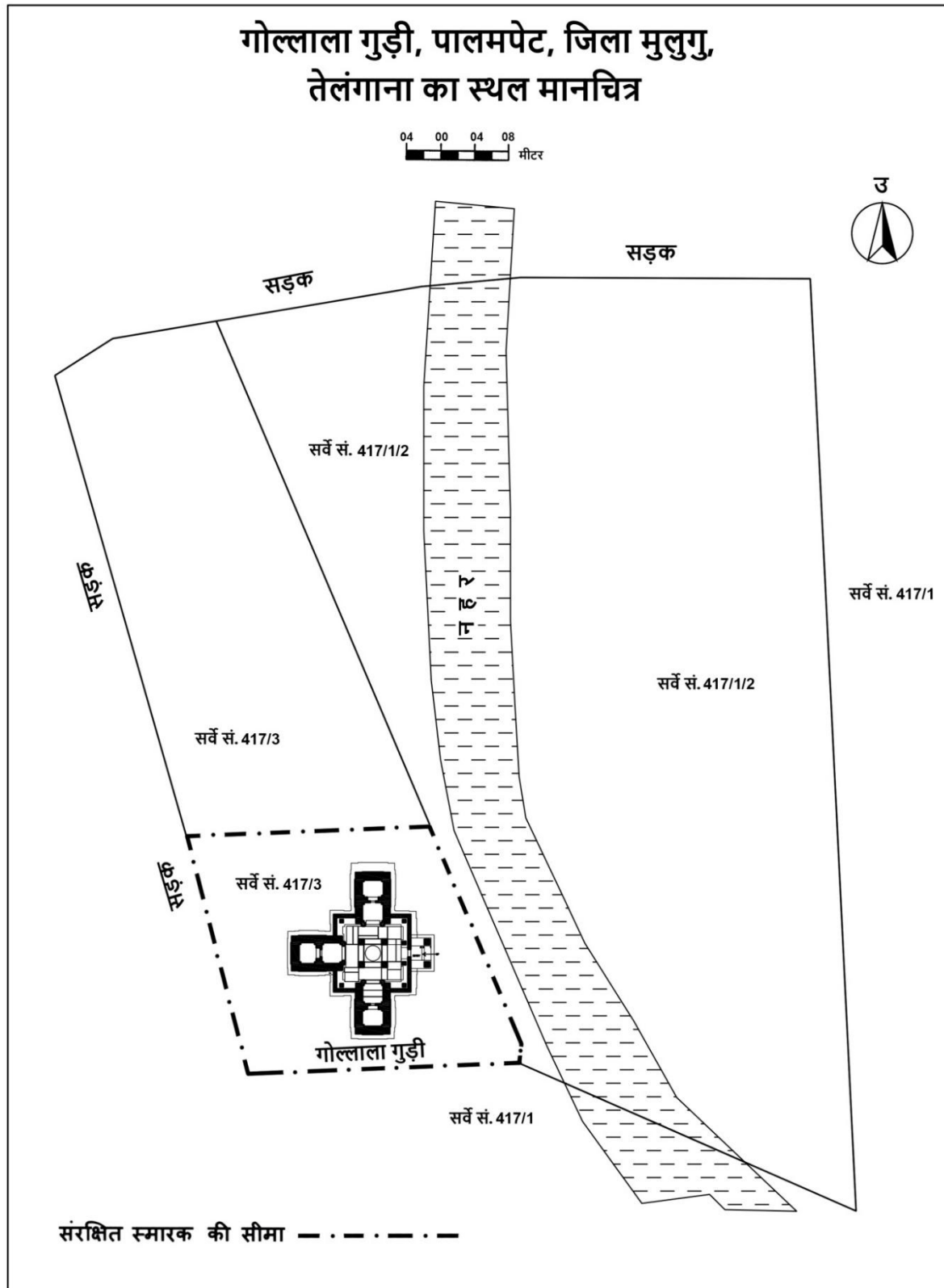
नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2026

का.आ. 4802(अ).— केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड- 3 उप-खंड (ii) दिनांक 06 मार्च, 2026 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना का.आ. 1173(अ), दिनांक 06 मार्च, 2026, जिसमें प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप धारा (1) यथा अपेक्षानुसार उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन स्मारक को राष्ट्रीय महत्त्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त प्राचीन स्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी;

और, उक्त अधिसूचना की प्रतिलिपियां दिनांक 06 मार्च, 2026 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, केन्द्रीय सरकार द्वारा की गई ऐसी घोषणा पर जनता से दो मास की निर्धारित अवधि में ऐसी कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा इसके साथ संलग्न स्थल मानचित्र और अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्मारक को राष्ट्रीय महत्त्व का घोषित करती है।



अनुसूची

क्र.सं	राज्य	जिला	स्थान	स्मारक का नाम	संरक्षण में शामिल किये गए राजस्व भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (एकड़ में)	स्वामित्व	सीमाएं
1.	तेलंगाना	मुलुगू	पालमपेट	गोल्लाला गुड़ी	सर्वे संख्या 417/3 (भाग)	0.25 एकड़	भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	उत्तर: सर्वे संख्या 417/3 और 417/1/2 दक्षिण: सर्वे संख्या 417/1 पूर्व: सर्वे संख्या 417/1/2 पश्चिम: सड़क
कुल क्षेत्र						0.25 एकड़		

[फा. सं. टी-19012/4/2024-स्मा.]

यदुवीर सिंह रावत, महानिदेशक

MINISTRY OF CULTURE
(Archaeological Survey Of India)
NOTIFICATION

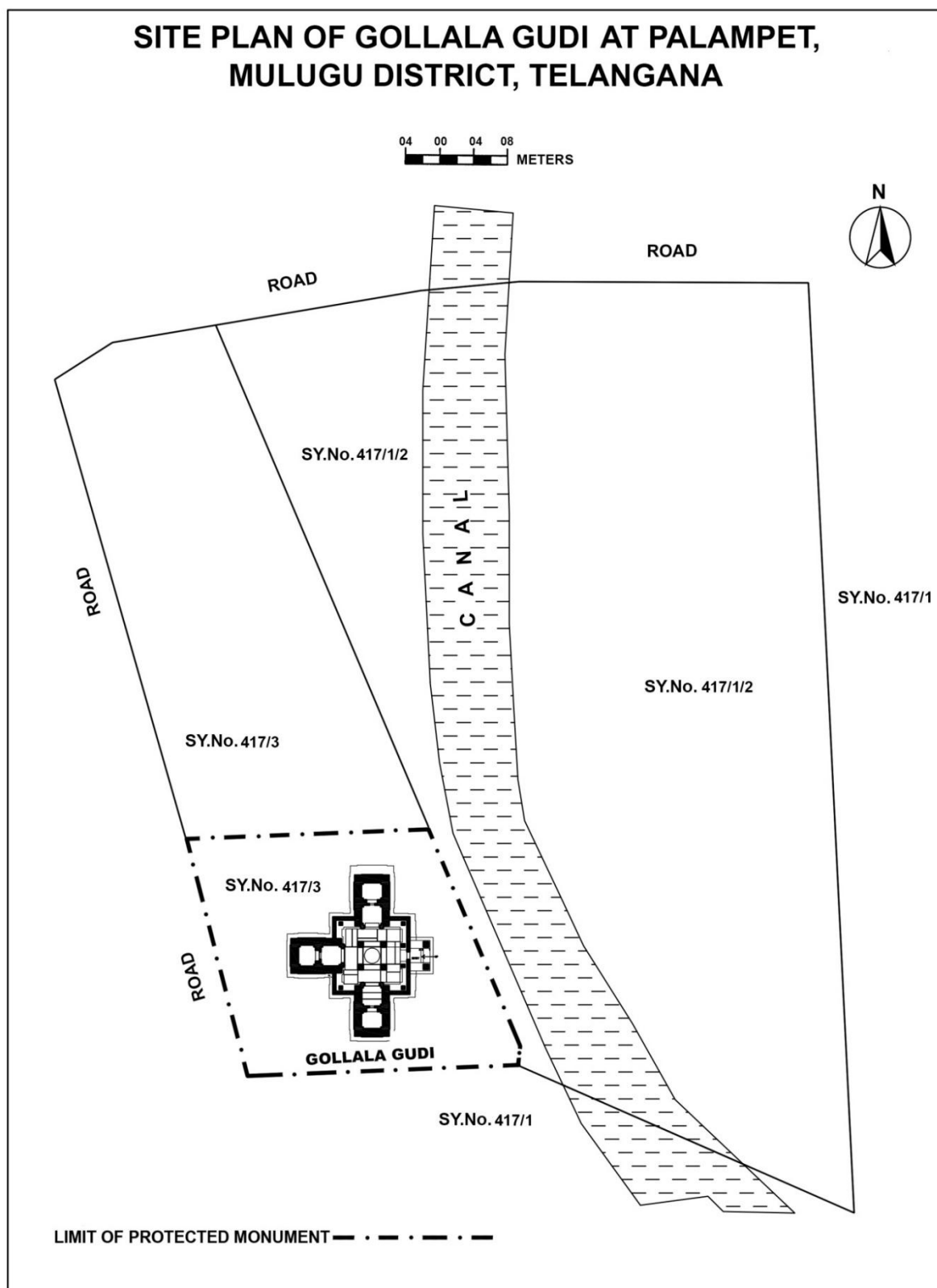
New Delhi, the 31st August, 2026

S.O. 4802(E).— Whereas, by the notification of the Government of India, in the Ministry of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O. 1173(E), dated the 6th March, 2026, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 6th March, 2026, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed at a conspicuous place near the said ancient monument, as required under sub section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958)(hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, copies of the aforesaid Gazette notification were made available to the public on the 6th March, 2026;

And whereas, no objection has been received from the public to the making of such declaration by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.



SCHEDULE

Sl. No	State	District	Locality	Name of Monument	Revenue Survey number included under protection	Area (in Acre)	Ownership	Boundaries
1.	Telangana	Mulugu	Palampet	Gollala Gudi	Survey No. 417/3 (Part)	0.25 Acre	Archaeological Survey of India	North: Survey No. 417/3 and 417/1/2 South: Survey No. 417/1 East: Survey No. 417/1/2 West: Road
Total Area						0.25 Acre		

[F. No. T-19012/4/2024-M]

YADUBIR SINGH RAWAT, Director General